garudexpress7@gmail.com www.garudexpress.com youtube.com/@garudexpress1542 93011 65813

साप्ताहिक

MPHIN/36137-T.C.

गरुड़ एक्सप्रेस

संपादक : राजेश लक्षकार

• वर्ष - 02 • अंक - 10 • पृष्ठ - 4 | नीमच | बुधवार, 03 जनवरी 2024 | • प्रति मूल्य - 5 रु. • वार्षिक शुल्क - 250 रु.

गृह विभाग ने सभी कलेक्टर से मांगी रिपोर्ट

एमपी में थानों की बॉउण्ड्री का नए सिरे से होगा सीमांकन

मध्य प्रदेश के थानों/चौकियों की सीमाओं का नए सिरे से सीमांकन होगा। इसको लेकर गृह विभाग ने सभी कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और जिला अभियोजन अधिकारी को पत्र लिखा है। विभाग ने सभी कलेक्टर से 31 जनवरी तक रिपोर्ट मांगी है।

· भोपाल

मध्य प्रदेश में थानों/चौकियों की सीमाएं एक फिर से तय होगी। इस संबंध में गृह विभाग ने सभी जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्ष और संबंधित अधिकारियों को आदेश जारी किया है। इसमें सभी जिला कलेक्टरों से थानों और चौकियां की सीमाओं का नए सिरे से निर्धारिण कर 31 जनवरी तक रिपोर्ट मांगी है।

जिसके बाद गृह विभाग नोटिफिकेशन जारी करेगा। खरगोन में इंदौर संभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने थानों और चौकियों की सीमाओं को नए सिरे से पुर्ननिर्धारण करने के आदेश दिए थे। सीएम ने इस प्रक्रिया में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी विचार विमर्श करने को कहा है। जिसके बाद मुख्यमंत्री के आदेश पर गृह विभाग ने कलेक्टरों को आदेश जारी किए है। जिसके अनुसार 31 जनवरी 2024 तक कलेक्टर समिति अपनी रिपोर्ट गृह विभाग को भेजेगी। इसके बाद 7 फरवरी 2024 को गृह विभाग नोटिफिकेशन जारी करेगा। जिसके बाद नई पुर्ननिर्धारित सीमाएं प्रभावी हो जाएगी। बता दें आबादी, अपराध की दर और क्षेत्र को देखते हुए हर सीमाएं निर्धारित की जाती है। इससे पहले 2010 में सीमाओं का निर्धारण किया गया था।

सबको बताया अपना नया पता

पूर्व सीएम शिवराज सिंह ने अपने सरकारी बंगले का नाम रखा 'मामा का घर'

· भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सीएम पद से हटने के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। अब वे अपने नए पते के लिए सुर्खियों में हैं।

मामा के नाम से विख्यात पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने शासकीय आवास का नाम भी "मामा का घर" रख लिया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में सब को अपना नया पता बताया। उन्होंने कहा कि अभी हमारा पता है, बी-8, 74 बंगला; उसका नाम हमने रख दिया, मामा का घर। इसके पहले मुख्यमंत्री रहते हुए वे श्यामला हिल्स स्थित सीएम हाउस में रहते थे। लेकिन सीएम के पद से हटने के बाद अब वे लिंक रोड पर बने सरकारी बंगले में रहने आ गए हैं।

आगे सीएम ने कहा कि कहीं न कहीं कोई बड़ा उद्देश्य होगा यार। कई बार राजतिलक होते-होते वनवास भी हो जाता है। लेकिन वह किसी न किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए होता है। ये चिंता मत करना। मेरी जिंदगी आपके लिए है, जनता-जनार्दन के लिए है, बेटा-बेटियों के लिए है, मेरी बहनों के लिए है। इस धरती पर इसलिए आया हूं मैं, तुम्हारी जिंदगी से दुख दर्द दूर करने, आंखों में आंसू नहीं रहने दूंगा, जिंदगी जितनी बेहतर बनेगी, बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। दिन और रात उसके लिए काम करेंगे।

पूर्व सीएम ने कहा कि पूरा प्रदेश मेरा परिवार है और परिवार के रिश्ते पदों से नहीं होते, वो दिल के रिश्ते होते हैं, आत्मा के रिश्ते होते हैं और दिल और आत्मा के रिश्ते पदों के साथ बदलते नहीं है। इसलिए भाई और बहन, भांजे-भांजियों से मेरा प्यार और विश्वास का रिश्ता है। इस रिश्ते की डोर कभी टूटेगी नहीं। अपने भाई-बहन

दिग्विजयसिंह बोले...

भाजपा को पहले पता चल जाता है कितनी सीटें मिलेंगी, वीवीपैट पर्चियों से कराएं काउंटिंग

· इंदौर

हमें पर्ची देखने का पूरा अधिकार

इंदौर में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने ईवीएम से वोटिंग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि मतदान की गणना वीवीपैट की पर्ची से ही होना चाहिए। वोटिंग ईवीएम से ही होना चाहिए लेकिन वोटिंग के बाद जो पर्ची वीवीपैट में डलती है उसे लोगों के हाथ में ही देना चाहिए। जिन लोगों ने मतदान किया है वही एक अलग बॉक्स में उस पर्ची को डालें। इसमें गलत क्या है। यह देश के 90 करोड़ मतदाताओं का अधिकार है। पेटी में डाली गई पर्चियों की काउंटिंग करें और फिर उससे चुनाव परिणाम घोषित किए जाएं।

पूर्व सीएम ने आगे कहा कि हमें वीवीपैट में कुछ मत दिखाइए लेकिन जो पर्ची छपी है वो हमारे हाथ में दे दीजिए। उसे हम देख लेंगे। वोट करने के बाद एक मतपेटी में डाल देंगे। इसके बाद मतपेटी में डाली गई स्लीप की काउंटिंग कर दीजिए। इंदौर आए दिग्विजयसिंह ने बुधवार सुबह ईवीएम हटाओ देश बचाओ, लोकतंत्र बचाओ लिखते हुए ट्वीट भी किया। इसमें उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि निर्वाचन आयोग विपक्ष की बैठक में बाधा क्यों डाल रहा है? हम उस चुनाव आयोग पर कैसे भरोसा करें जो प्रमुख विपक्षी दलों से मिलने से ही इनकार करता है?

कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ देखी तैयारियां

'प्रसादम' का उद्घाटन करने सात जनवरी को आएंगे मुख्यमंत्री मोहन

· उज्जैन

महाकाल लोक में देश का प्रथम स्वस्थ एवं स्वच्छ फूड स्ट्रीट (प्रसादम) एफएसएसएआई और स्मार्ट सिटी के द्वारा प्रारम्भ किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन सात जनवरी को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। इस आयोजन में हेल्दी एंड हाइजेनिक फूड स्ट्रीट की वेबसाइट लांच की जाएगी। साथ ही मिलेट मेला भी लगाया जाएगा। प्रसादम में सांस्कृतिक नृत्य और अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने महाकाल लोक के कंट्रोल रूम के सभाकक्ष में अधिकारियों से चर्चा की और कुछ देर निरीक्षण भी किया। कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री के प्रस्तावित मिनट-टू मिनट कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कहा गया कि कार्यक्रम में पीएम स्वनिधि के हितग्राही, एसएचजी, स्ट्रीट वेंडर्स और विद्यार्थियों को भी बुलाया जाए।

प्रसादम में लगाए जाएंगे विभिन्न प्रकार के स्टॉल

महाकाल लोक में देश का प्रथम स्वस्थ एवं स्वच्छ फूड स्ट्रीट (प्रसादम) एफएसएसएआई और स्मार्ट सिटी के द्वारा प्रारम्भ किया जाएगा। यहां स्ट्रीट फूड को बनाने में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। प्रसादम में स्ट्रीट फूड का हब बनेगा, जहां उज्जैन के स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुगण ले सकेंगे। ईट राइट फूड के अन्तर्गत सभी मापदंड का यहां विशेष ध्यान रखा जाएगा। प्रसादम नीलकंठ वन के समीप स्थित स्मार्ट वाहन पार्किंग के ऊपर स्थित परिसर में शुरु होगा। महाकाल लोक में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यहां विभिन्न स्ट्रीट फूड बनाए जाएंगे।

संपादकीय

भारतीय सेना में महिलाओं की बढ़ी ताकत, कर्नल की तरह कर रहीं नेतृत्व

सेना में कर्नल जैसे पद पर बदलती तस्वीर का मुख्य आधार करीब तीन वर्ष पहले सर्वोच्च न्यायालय का आया वह ऐतिहासिक फैसला है, जिसके तहत महिला अधिकारियों के लिए स्थायी आयोग की व्यवस्था की गई।

सार्वजनिक जीवन में बढ़ती भागीदारी के बीच आमतौर पर हर क्षेत्र में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ी है, मगर सैन्य बलों में स्वास्थ्य जैसी कुछ खास सेवाओं को छोड़ दें, तो उनकी संख्या संतोषजनक नहीं थी। इसीलिए एक तरह से वहां असंतुलन दिखता रहा। हालांकि कुछ समय पहले इस क्षेत्र में महिलाओं को मौके देने को लेकर कई स्तर पर प्रयास शुरू हुए और अब उनके नतीजे आने शुरू हो गए हैं। खबर के मुताबिक, आजादी के पचहत्तर वर्षों के बाद अब पहली बार यह आंकड़ा सामने आया है कि मौजूदा वर्ष यानी 2023 में सेना ने कुल एक सौ अट्ठाईस महिलाओं की स्थायी नियुक्ति के साथ-साथ कर्नल जैसे उच्च पद के लिए उनका चयन किया है। इसके लिए इस वर्ष कुल चार बार पदोन्नति बोर्ड का गठन किया गया और अब चयनित महिला अधिकारियों को सेना में युद्ध के मोर्चे को छोड़ कर बाकी अन्य शाखाओं में तैनात करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गौरतलब है कि इसी वर्ष जनवरी में पदोन्नति बोर्ड ने एक सौ आठ महिलाओं को स्थायी नियुक्ति के साथ कर्नल पद के लिए चुना था। उसके बाद अब महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से सेना के उच्च पदों के ढांचे को समावेशी बनाने की दिशा में एक निरंतरता देखी जा सकती है।

जाहिर है, पिछले कुछ समय से सेना में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के मकसद से जो प्रक्रिया चल रही थी, उसमें इसे एक सकारात्मक उपलब्धि के तौर पर देखा जाएगा। दरअसल, सेना में कर्नल जैसे पद पर बदलती तस्वीर का मुख्य आधार करीब तीन वर्ष पहले सर्वोच्च न्यायालय का आया वह ऐतिहासिक फैसला है, जिसके तहत महिला अधिकारियों के लिए स्थायी आयोग की व्यवस्था की गई। इसके बाद ही सेना में महिलाओं की आगे की उन्नति और पदोन्नति का मार्ग खुला। इसी क्रम में महिलाओं के लिए नेतृत्व और उच्च प्रबंधन पाठ्यक्रम शुरू किया गया। हालांकि अन्य लगभग सभी क्षेत्रों में मौका मिलने पर महिलाओं ने जिस तरह अपनी क्षमताएं साबित की हैं, उसके मद्देनजर सेना में भी उनके लिए अवसर बनने में कोई अड़चन आनी नहीं चाहिए थी। मगर कई वजहों से इससे संबंधित सवाल उठने पर नाहक ही टालमटोल होती रही। निश्चित रूप से इस मसले पर खड़ी होने वाली बाधाओं के पीछे सामाजिक धारणाओं पर आधारित एक गैरजरूरी पूर्वाग्रह रहा, जिसमें गलत दलीलों पर महिलाओं को कम करके आंका जाता रहा है। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी, 2020 में स्थिति को बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि महिलाएं भी सेना में पुरुषों की तरह कमांड यानी किसी सैन्य टुकड़ी के नेतृत्व का दायित्व संभाल सकती हैं। शीर्ष अदालत ने सामाजिक धारणाओं के आधार पर महिलाओं को समान मौके न मिलने को परेशान करने वाला, समानता के खिलाफ और अस्वीकार्य बताया था। इस संदर्भ में अदालत ने यह भी कहा कि सेना की सभी महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन मिले, चाहे वे कितने भी समय से कार्यरत हों। केंद्र सरकार महिलाओं के बारे में मानसिकता बदले और सेना में समानता लाने के लिए कदम उठाए।

कहा जा सकता है कि जो अवसर महिलाओं को एक स्वाभाविक व्यवस्था के तहत मिलने चाहिए थे, उसके लिए सुप्रीम कोर्ट को आगे आना पड़ा। जबकि यह एक जगजाहिर तथ्य है कि सामान्य जीवन से लेकर शिक्षा या नौकरी के क्षेत्र में सेना तक के ढांचे में जहां भी महिलाओं को मौका मिला है, वहां की समग्र तस्वीर और कार्य की गुणवत्ता में बेहतरी आई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा...

नागरिकों को आवश्यक सामग्री के लिए परेशानी नही हो, इसके लिए सभी जरूरी उपाय किए जाएं

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल के मद्देनजर वीसी के माध्यम से कमिश्नर्स, कलेक्टर्स, एसपी से चर्चा की

नीमच। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मंत्रालय में कमिश्नर, कलेक्टर और एसपी के साथ वीसी के माध्यम से चर्चा कर ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल के मद्देनजर किए जा रहे आवश्यक उपायों की जानकारी प्राप्त की और जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों को आवश्यक सामग्री के लिए परेशानी नही हो, इसके लिए सभी जरूरी उपाय किए जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेट्रोल-डीजल को लेकर कोई अवरोध पैदा करेगा तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जाएं, जनता को किसी भी प्रकार का कष्ट न हो। पेट्रोल पंप और एलपीजी गैस के डीलर्स जिनके अपने वाहन हैं, उनके माध्यम से सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर, ग्वालियर, कटनी, रीवा, उज्जैन, सागर समेत विभिन्न जिलों के कलेक्टर, एसपी से चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी मार्ग पर अवरोध और बाधा न हो। रास्ते की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। सभी डीलर्स, एसोसिएशन के साथ बैठक करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा मैदान में मूवमेंट दिखे। सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आदि प्लेटफार्म का उपयोग करते हुए स्थिति सामान्य होने की जानकारी दी जाए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा, डीजीपी श्री सुधीर कुमार सक्सेना अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा नीमच के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री दिनेश जैन पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी एडीएम सुश्री नेहा मीना आरटीओ श्री नंदलाल गण अन्य अधिकारी मौजूद थे।

दुआओं से होता जीवन का उद्धार-सविता बहन

नये साल की पूर्व संध्या पर राम नाम के साथ जरूरतमंदों को बांटे कम्बल

एडीएम व ब्रम्हाकुमारी बहनों के हाथों एनएसएसजी का सराहनीय कार्य

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

नीमच, निप्र। नगर समस्या एवं सुझाव ग्रुप की एनएसएसजी के तत्वाधान में नववर्ष 2024 की पूर्व संध्या पर दुआ दम्पत्ती के सहयोग से ग्रीन बेल्ट पर गरीब, विकलांग, विधवा, निःसहाय लोगों तथा ट्रामा सेंटर व भादवामाता दरबार में स्वस्थ्य होने आये मरीजों के बीच नये कंबल का वितरण किया गया।

अभियान की शुरुआत ग्रीन बेल्ट गार्डन पर पहुंचे जरूरतमन्दों को एडीएम नेहा मीना तथा ब्रम्हाकुमारी विश्वविद्यालय की बहन सविता दीदी श्रुति दीदी एवं बीके सुरेन्द्र भाई के हाथों कम्बल बांटकर की गई।

इस दौरान ग्रुप एडमिन विवेक खण्डेलवाल सोनू ने कहा कि गरीब, निः सहाय दिव्यांग, विधवा और जरूरतमंद जो आर्थिक तंगी के कारण ठंड से बचाव के लिए अपने लिए गर्म कम्बल नहीं खरीद सकते हैं वैसे लोगों को चिह्नित कर उनके उच्च गुणवत्ता वाले गर्म कम्बल बांटे गये।

आयोजन में बतौर अतिथि पहुंची एडीएम नेहा मीना ने कहाकि नीमच के लोगो मे सहयोग व परोपकार की भावना है। अच्छे कार्य के लिए लोग उत्साह से भाग लेते है। आज का आयोजन बहुत ही सराहनीय है। एनएसएसजी ग्रुप द्वारा प्रदत्त गरम कपड़े व कम्बल बेहद जरूरी है ठण्ड से बचाव के लिए। प्रशासन अपने स्तर पर तो कार्य करता ही है पर समाजसेवी संस्थाओ की भागीदारी से कार्य को ओर अधिक गति मिलती है।

आयोजन में पधारी ब्रम्हाकुमारी सविता बहन ने कहा कि समाजसेवा के कार्य मे कोई सहयोग देता है कोई साथ देता है और कोई विस्तार करता है पर मूल भाव तो लेने देने का होता ही है पर सबसे ज्यादा आपकी जो कमाई हो रही है वो दुआओं की है। दुआएं मिलने से मनुष्य के जीवन का उद्धार हो जाता है। एनएसएसजी ग्रुप द्वारा परोपकार के काम कर दुआएं कमा रहे है दूसरों को दुआएं दे रहे है। ये जीवन मे बहुत बड़ी प्रॉपर्टी के रूप में काम आएगी। सविता दीदी ने कहा कि तन के साथ साथ मन भी शांत होना चाहिए।

इस अवसर पर बीके सुरेंद्र भाई ने कहाकि माना जाता है कि ॐ ब्रम्हांड की ध्वनि है साथ ही ॐ का अर्थ शांति और प्रेम है। ऊँ के उच्चारण से शारीरिक मानसिक आध्यात्मिक और बौद्धिक शांति मिलती है।

ग्रुप एडमिन खण्डेलवाल ने बताया कि ग्रुप के सदस्य मनोज दुआ व तृप्ति दुआ के सहयोग से ग्रीन बेल्ट पर मौजूद लगभग 60 से अधिक महिला एवं पुरुषों को कम्बल प्रदान किये गए। फिर रात्रि में जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती मरीज को राम राम का नाम लेकर व महामाया भादवामाता के दरबार पहुंच लकवाग्रस्त भक्तों को माता रानी के जयकार के साथ नये कम्बल उड़ाये गए।

इस अभियान में मुख्य रूप से ब्रम्हाकुमारी श्रुति बहन, ग्रुप एडमिन विवेक खण्डेलवाल, दिनेश मनावत, संजय श्रीवास्तव, सौरभ भट्ट, बीड़ी वैष्णव, नरेन्द्र तिवारी, जिम्मी शर्मा, पंडित राकेश शास्त्री, रानी राणा, आशा सांभर, अर्चना तिवारी, शोभा शर्मा, अमन चौहान, किरण तिवारी का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

Bollywood News

इलियाना डिक्रूज ने फिल्मों से लिया ब्रेक

कई फिल्मों में नजर आ चुकीं 'बर्फी' एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज काफी समय से फिल्मी दुनिया से दूर हैं। इस समय एक्ट्रेस अपने मदरहुड को एंजॉय कर रही हैं। हालांकि, उनके फैंस इंडस्ट्री और फिल्मों में उनके कमबैक का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच उनके फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने

आ रही है, जो उनको निराश कर सकती है। दरअसल, ऐसा दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस अपने फिल्मी सफर को अलविदा कहने वाली हैं। जी हां साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस जल्द अपने परिवार के साथ अमेरिका शिफ्ट हो सकती हैं। हालांकि, इन दावों को लेकर एक्ट्रेस की ओर से कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है।

टेलर स्विफ्ट पर हुई पैसों की बरसात

वर्ल्ड वाइड म्यूजिक स्ट्रीमिंग एप स्पॉटिफाई, साल 2023 के अंत में म्यूजिक और सिंगर्स को लेकर कई तरह के वार्षिक आंकड़े पेश कर रहा है। हाल ही में स्ट्रीमिंग

प्लेटफॉर्म ने एक चौंकाने वाला आंकड़ा जारी किया, जिसने हर किसी के रोंगटे खड़े कर दिए। स्पॉटिफाई रैप्ड टैली के मुताबिक अमेरिकी सिंगर टेलर स्विफ्ट ने 2023 में अकेले स्पॉटिफाई से 100 मिलियन डॉलर (8 अरब रुपये से अधिक) से ज्यादा की कमाई की। बिलबोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, टेलर स्विफ्ट की 26.1 बिलियन स्ट्रीम की रिकॉर्डेड म्यूजिक रॉयल्टी लगभग 97 मिलियन डालर है और अभी साल भी पूरा नहीं हुआ है।

Bollywood Update

आलिया भट्ट की सक्सेस से कृति को होती है जलन

बॉलीवुड फिल्मों की जानी मानी मशहूर अदाकारा कृति सेनन इंडस्ट्री टॉप अभिनेत्रियों में से एक हैं। बता दे कि कृति सेनन को उनकी फिल्म मिमी के लिए नेशनल अवॉर्ड भी मिल चुका है। कृति के साथ आलिया भट्ट को भी नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया था। वही एक इंटरव्यू के चलते कृति से पूछा गया कि क्या उन्हें आलिया भट्ट की सक्सेस से जलन होती है? इस सवाल पर कृति सेनन ने कहा- ईमानदारी से कहूं तो हम दोनों को ही एक साथ नेशनल अवॉर्ड मिला है और

ये हर सवाल का जवाब है। आपको यदि अच्छी अपॉर्चुनिटी मिलती है, यदि आपमें टैलेंट है तो इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां से आते हैं। आपको अवश्य सफलता मिलती है। इसलिए अच्छी अपॉर्चुनिटी मिलना बहुत आवश्यक है तथा मिमी और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्में करने का अवसर हर दिन नहीं मिलता है। वहीं, बीते वर्ष अपने चैट शो में करण जौहर ने कृति से पूछा था कि अपनी साथ की अभिनेत्रियों को करियर में बेहतर करता देखकर उन्हें कैसा महसूस होता है? इसपर कृति ने कहा था कि अच्छा काम देखकर उन्हें भी अच्छी काम करने की प्रेरणा प्राप्त होती है। वो इंस्पायर होती हैं।

फिर एक साथ नजर आएंगे सुनील ग्रोवर और कपिल शर्मा

जाने माने मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा पिछले लंबे समय से छोटे पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन करते आ रहे हैं। कपिल शर्मा ने उनके टेलीविज़न शोज से दर्शकों को खूब हंसाया है और ऐसे में अब वो इस कॉमेडी को एक कदम आगे ले जाते नजर आ रहे हैं। हाल ही में कपिल घर बदलते दिखाई दिए थे और बोलते नजर आए थे- घर बदला है, परिवार नहीं। कुछ समय पहले ही उनकी इस बात का मतलब साफ हो गया था तथा अब दर्शकों के लिए बड़ा सरप्राइज

है। एक बार फिर से कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर साथ में दिखाई देंगे। दरअसल, नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो की शुरुआत कपिल शर्मा से होती है तथा इसके बाद सुनील ग्रोवर दिखाई देते हैं। इसके चलते दोनों के बीच में हंसी मजाक देखने को मिलता है। वहीं आहिस्ता-आहिस्ता शो के बाकी प्रतियोगियों यानी कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, राजीव ठाकुर एवं अर्चना पूरन सिंह भी आ जाते हैं। ये सभी मिलकर हंसी मजाक करते नजर आते हैं। बता दें कि वर्ष 2017 में कपिल शर्मा एवं सुनील ग्रोवर के बीच में विवाद हो गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' की टीम ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न से एक शो करके लौट रही थी। तभी फ्लाइट में किसी बात को लेकर सुनील ग्रोवर और कपिल शर्मा के बीच झगड़ा हो गया था।

बगीचे को निजी भूखंड बता कर कब्जा करने पहुंचे व्यवसाई और मेहनोत नगर वासियों के बीच फिर हुआ विवाद

सार्वजनिक हित के बगीचे की भूमी को संरक्षित करने के उद्देश्य से पाँच माह पूर्व मेहनोत नगर वासियों द्वारा जिलाधिकारियों से शिकायत की गई थी। प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा और मंगलवार को मेहनोत नगर में बगीचे की जमीन को निजी भूखंड बता कर बाउंड्री वॉल बनाने पहुंचे मनासा के व्यवसाई और कालोनी वासियों के बीच एक बार फिर विवाद की स्थिती निर्मित हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और मामला शांत करवाया। इस बीच दोनों ही पक्ष कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां कलेक्टर ने अधीनस्थ अधिकारियों व दोनो पक्षों को यथा स्थिती रखने के निर्देश दिए हैं।

चर्चित कॉलोनाईजर ने जिले के बड़े कॉलोनाईजर संघई एंड फेमेली के साथ भी कर दिया 'खेला' ?

शासकीय कुआं और रहवासियों का कॉमन स्पेस कैसे बिक गया !

· गरुड़ एक्सप्रेस डेस्क

नीमच। दरअसल प्रत्येक कॉलोनाईजर द्वारा कालोनी में कॉमन स्पेस, गार्डन व अन्य सुविधाओं हेतु खुली भूमी छोड़ा जाना तय है। जब मेहनोत नगर कॉलोनी अस्तित्व में आई तब भी यही प्रावधान थे। जानकारी अनुसार नीमच स्थित मेहनोत नगर में दो बड़े भूखंड हैं जो बगीचे व 3 छोटे भूखंड पार्किंग के लिए छोड़े गए हैं। कालोनाईजर आदित्य सिंह मेहनोत द्वारा भी दोनों स्थलों को बगीचे दर्शा कर ही प्रत्येक खरीदार को अन्य भूखंड विक्रय किए गए। साथ ही कॉलोनी वासियों के पास मौजूद टी एंड सी से अप्रूव्ड नक्शे में भी उक्त बगीचे दर्शाए गए हैं। हर कॉलोनी में पेयजल व अन्य आवश्यकता हेतु एक जल स्त्रोत होना भी जरूरी है।

कालोनाईजर द्वारा बनाया गया मेहनोत नगर का एक मात्र कुआं जहां से यादव मंडी क्षेत्र के नागरिकों को जल वितरण किया जाता था वह पाईप लाईन और कुआं भी इसी बगीचे में है। यहाँ नीमच नगरपालिका द्वारा एक बोर्ड भी कई वर्षों पहले लगाया गया था जो अब तक मौजूद है। कॉलोनी वासियों के पास मौजूद टाउन एंड कंट्री के अप्रूव्ड नक्शे में भी यह कुआं दर्शाया गया है। मजे की बात यह है की बगीचे को निजी भुखण्ड बता कर कब्जा करने आए मनासा निवासी मुकेश संघई द्वारा बाउंड्री वॉल हेतु की गई लाइनिंग में उक्त कुएं और उस बोर्ड को भी घेरा गया है। मुकेश संघई का कहना है की उक्त कुआं और आसपास की जमीन हमारी निजी जमीन है। मीडिया को उन्होंने जानकारी दी की इन भूखंडों की उनके पास रजिस्ट्री मौजूद है ।

क्या मेहनोत ने संघई फेमेली के साथ भी कर दिया 'खेला'!

दर्जनों वास्तविक किस्से कॉलोनाईजर आदित्य सिंह मेहनोत के खिलाफ शहर में चर्चित हैं। ऐसे में प्रतीत होता है की आदित्य सिंह मेहनोत ने नीमच-मंदसोर जिले के बड़े कॉलोनाईजर मुकेश संघई एंड फेमेली के साथ भी 'खेला' कर दिया है। संघई परिवार ने दोनों जिलों में कई प्रोजेक्ट किए हैं और कई में उनकी पार्टनरशिप है।

जमीनी सौदों के जानकार और विशेषज्ञ परिवार आखिर झांसे में कैसे आ गया यह भी बड़ा प्रश्न है ! मुकेश संघई बताते हैं की उन्होंने कृषि भूमी के तौर पर उक्त बगीचे (उनकी नज़र में प्लॉट) की रजिस्ट्री 2001 में करवाई थी। जबकी बगीचे को संरक्षित करने की लड़ाई लड़ रहे जागरुक कॉलोनीवासियों की रजिस्ट्रियाँ और उनके पास टीएंडसी के नक्शे 2001 से बहुत पहले 90 के दशक के हैं। जागरुक कॉलोनिवासियों का यह भी जायज सवाल है की कॉलोनी डेवलप होने व टीएंडसी से अप्रूवल होने के वर्षों बाद सन 2001 में कॉलोनी के बीचों बीच कृषि भूमी कहाँ से आ गई जो संघई परिवार ने खरीद ली ?

मेहनोत द्वारा बंधक प्लॉटों व पार्किंग की जगह बेचने की कवायद

दरअसल ऐसे कई मामले हैं जहां आदित्य सिंह मेहनोत ने गड़बड़ झाला किया है। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राकेश पप्पू जैन के कार्यकाल में भी आदित्य सिंह मेहनोत ने पार्किंग की जगह को बेचने का प्रयास किया था। कॉलोनी विकास हेतु बंधक प्लॉटस को बेचने के भी मामले हुए हैं। तब भी कॉलोनीवासियों की जागरुकता और तात्कालीन अध्यक्ष श्री जैन की सक्रियता से पार्किंग की जगह को नगरपालिका द्वारा कब्जे में लेकर वहाँ पुनः पार्किंग का बोर्ड लगाया गया था।

जिला प्रशासन का ढुल-मूल रवैया भूमाफियाओं को प्रश्रय देने जैसा

मामले में जिला प्रशासन का ढुलमुल रवैया भी सामने आया है। कॉलोनी में मौजूद बगीचे को बचाने की जनहित की लड़ाई लड़ रहे कॉलोनीवासियों द्वारा 5 माह पूर्व 25 जुलाई 2024 को इस मामले की शिकायत कलेक्टर को की गई थी, साथ ही आवेदन जनसुनवाई में भी दिया गया था। तब अधिकारियों द्वारा कॉलोनिवासियों, पटवारी और नगरपालिका कर्मचारियों की एक समिति बना कर शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया गया था। मगर उसके बाद कोई जांच ही शुरु नहीं हुई तो कारवाई का तो प्रश्न ही नहीं उठता। जिला प्रशासन का यह रवैया वाकई जागरुक नागरिकों को हतोत्साहित करने और भूमाफियाओं को प्रश्रय देने का प्रतीत होता है। यही नहीं, यदी वाकई भूमी संघई परिवार की है तो निराकरण में देरी से उनके साथ भी अन्याय होगा। साथ ही इसी स्थिती में यदि संघई परिवार द्वारा उक्त जमीन को 8-10 अन्य गरीब परिवारों को विक्रय कर दिया गया तो यह नीमच के उन गरीबों के साथ भी अन्याय होगा जो अपनी जीवन भर की पूंजी ले कर एक अदद आशियाने की तलाश में है। जिला प्रशासन के लिए भी उचित होगा की राजस्व और जमीनो के मामले में अपनी सुस्ती तोड़े और मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशानुसार उनके साथ कदम ताल करे।

जिला पुलिस प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आज होगा समापन

नीमच जिला प्रेस क्लब ने 45 रनों से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

नीमच, निप्र.। जिला पुलिस प्रशासन नीमच के तत्वावधान में 31 दिसंबर रविवार से दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ पुलिस लाइन स्थित खेल मैदान परिसर में हुआ।

पहला मैच सीआरपीएफ विरुद्ध होमगार्ड के बीच हुआ जिसमें सीआरपीएफ विजेता रही। दूसरा मैच पुलिस विभाग विरुद्ध राजस्व विभाग के बीच हुआ जिसमें पुलिस विभाग विजेता बनी। तीसरा मैच नीमच जिला प्रेस क्लब विरुद्ध अभिभाषक इलेवन के बीच हुआ। जिसमें नीमच जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष श्याम गुर्जर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। नीमच जिला प्रेस क्लब की

और से अक्षय दीवान ने शतकीय पारी खेलते हुए 134 रनों की धुआधार बल्लेबाजी कर टीम का स्कोर 170 रनों तक पहुंचाया। नीमच जिला प्रेस क्लब ने 10 ओवरों में 4 विकेट पर 170 रनों का लक्ष्य अभिभाषक इलेवन को दिया। जिसका पीछा करने उतरी अभिभाषक इलेवन 10 ओवरों में 125 रन ही बना सकी। यह मैच नीमच जिला प्रेस क्लब ने 45 रनों से जीतकर सेमीफायनल में प्रवेश किया। आज मंगलवार 1 जनवरी को नीमच जिला प्रेस क्लब का मैच सीआरपीएफ से होगा। इसी तरह रविवार को चौथा मैच नगरपालिका नीमच विरुद्ध एसएएफ के बीच खेला गया जिसमें एसएएफ विजेता रही। आज सोमवार को सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली टीमों में सीआरपीएफ, नीमच जिला प्रेस क्लब, पुलिस विभाग, एसएएफ की टीमें रही जिनके बीच रोमांचक मैच खेले जायेंगे। रविवार को खेले गए सभी विजेता टीमों के मैन ऑफ द मैच रहे खिलाड़ियों को मैच समाप्ति पश्चात मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आज सोमवार को पहले सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा जिसमे जो टीम विजेता बनेगी उन टीमों के बीच आज ही फाइनल मैच खेला जायेगा। मैच में शानदार कामेंट्री जा रही है जो आकर्षण का केंद्र बनी रहती है। पुलिस विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में शानदार खेल मैदान के साथ ही खेल की अंपायरिंग व खेल नियम की खिलाड़ियों ने सराहना की है।

स्वामी प्रकाशक राजेश लक्षकार के लिए मुद्रक प्रेमप्रकाश जैन के द्वारा नाकोड़ा ग्राफिक्स सिस्टम एण्ड प्रिंटर्स, 129, विकास नगर, नीमच (म.प्र.) से मुद्रित कर 51 पीपल चौक जीरन, जिला-नीमच से प्रकाशित। **सम्पादक - राजेश लक्षकार***